Written by मेरी बटिया संवाददाता
Wednesday, 04 July 2018 18:07

: □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ 29 □□□□□□ □□ : □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□-□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ : □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ :

□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□□ : भाषा और बोली को लेकर पत्रकारिता पछिले दो दशकों से बेहद बुरी हालत से गुजर रही है। खास तौर पर न्यूज़ चैनल पर बोली जा रही भाषा की दुर्गत अब कसिी से छुपी नहीं है। अर्थ का अनर्थ कर डालने वालों की संख्या टीवी चैनलों पर लगातार बढ़ती ही जा रही है। ऐसी हालत में अचानक □ क कसिी सुखद घटना की तरह ही □ क नई अनोखी पहल शुरू होने वाली है।

ओसामा तल्हा सोसाइटी की ओर से पत्रकार कुलसुम तल्हा पत्रकारों और खास कर न्□यूज चैनल के पत्रकारों के लि□ □ क नई खुशखबरी लेकर आई है। अपनी इस पहल के तहत कुलसुम ने अपनी मां कश्विरी और पति ओसामा तल्हा की याद में □ क कार्यशाला का आयोजन करेंगी, जहां प्रतभिागियों को बोलने और लखिने जाने वाले शब्दों को सुधारने और संवारने की दशिा दी जा□ गी। कुलसुम बताती हैं यह कार्यशाला तलफ्फुज और मीडयिा के वषिय पर आयोजति होगी। तारीख है अगली 29 जुलाई की शाम।

कुलसुम ने बताया कि इस कार्यशाला में प्रोफेसर लखनऊ वशि्ववद्यालय के उर्दू वभिागाध्यक्ष प्रो अनीस अशफाक, प्रोफेसर साबरा हबीब, आयशा सद्दिकी, करामत कॉलेज की प्रसिपिल रह चुकी साबयिा अनवर, कमर खान आदि प्रतभिागियों को संबोधति करेंगे।

कुलसुम का कहना है कि वह भवषि्य में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करती रहेंगी, जसिसे न केवल टीवी पत्रकारिता बल्कि अखबार और अन्य मीडयिा कर्मी भी लाभांवति हो सकेंगे। कुलसुम इस बात से दुखी हैं कि खास तौर पर टीवी चैनल के कुछ कार्यक्रमों में शालीनता और सत्य का प्रभाव लगातार कम होता जा रहा है। यह चतिा का वषिय है। हम सच को पूरी शालीनता के साथ बेहतर तरीके से लोगों तक पहुंचा सकते हैं, बजाय इसके कि उन्हें आक्रमण की शैली में बेहूदगी के साथ पेश कयिा जा□ ।